(अ) इतिहास शिक्षण के सामान्य उद्देश्य- इसके अन्तर्गत निम्नलिखित उद्देश्य आते हैं-

(1) इतिहास के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
(2) वर्तमान को स्पष्ट करना।
(3) मानसिक शक्तियों का विकास
(4) वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास
(5) राष्ट्रीय भावना का विकास
(6) अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना का विकास

(ब) इतिहास - शिक्षण के मुख्य उद्देश्य :- इसके अन्तर्गत निम्नलिखित उद्देश्यों को रखा जा सकता है;

(1) ऐतिहासिक विधि का ज्ञान करना।
(2) समय - ज्ञान की भावना को विकसित करते हुए स्थान तथा समय में सम्बन्ध स्थापित करना।
(3) मानव उन्नति का काल-क्रम के अनुसार अध्ययन करना।
(4) छात्रों को उन समस्याओं तथा कठिनाइयों से अवगत कराना जो मानव के समक्ष उसके सामाजिक विकास में आयी थी।
(5) छात्रों को इतिहास का ज्ञान इस प्रकार प्रदान करना जिससे उनमें निम्न प्रकार का भाव उत्पन्न हो सके -
(i) सूचनाएँ कहाँ और किस प्रकार प्राप्त की जाये?
(ii) प्रमाणों को किस प्रकार जाँचा जाये?
(iii) तार्किक निष्कर्ष किस प्रकार निकाले जायें?
(iv) तथ्यों को किस प्रकार संगठित, विश्लेषित एवं उसका तुलनात्मक अध्ययन किया जाय।

शिक्षा के विभिन्न स्तरो पर इतिहास शिक्षण के उद्देश्य :-

(1) प्राथमिक (प्राइमरी) स्तर पर उद्देश्य :-

इस स्तर पर इतिहास शिक्षक को निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखकर विषय का प्रतिपादन करना चाहिए -

(अ) :- इतिहास के प्रति छात्रों की रुचि जाग्रत करना। रुचि को जाग्रत करने के लिए अधिक सूचनाएँ प्रदान न की जायें और न इसके मस्तिष्क पर परीक्षा का निरर्थक भार डाला जाय।

(ब) ऐतिहासिक कल्पना जाग्रत करना। इसके लिए इतिहास-शिक्षक को कहानियों द्वारा शिक्षण प्रदान करना चाहिए, क्योंकि इस स्तर पर बालक कहानीप्रिय होता है।

(स) छात्रों को इस बात से परिचित करना कि हमारे प्रतिदिन के जीवन पर अतीत का प्रभाव होता है।

(द) छात्रों में समय-ज्ञान को धीरे-धीरे विकसित करना। इसके लिए इतिहास शिक्षक स्थूल वस्तुओं का उपयोग करे - उदाहरणार्थ - चार्ट, समय रेखा आदि

(य) - छात्रों में देश-प्रेम तथा विश्व-बन्धुत्व की भावना का विकास करना। इस स्तर पर विश्व-इतिहास की कहानियाँ ली जाएँ, उनके शिक्षण से उनमें विश्व-बन्धुत्व के अँकुर उत्पन्न किये जा सकते हैं।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

② उच्च प्राथमिक (जूनियर) स्तर पर उद्देश्य :-

इस स्तर पर इतिहास शिक्षक को निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखकर विषय का प्रतिपादन करना चाहिए :

① - इस स्तर पर छात्रों में इतिहास के लिए वास्तविक प्रेम उत्पन्न करना चाहिए। इसके लिए राजनैतिक इतिहास के स्थान पर सामाजिक इतिहास के अध्ययन पर बल दिया जाय।

② - छात्रों को शुद्ध रूप से विचार करने के लिए तत्पर बनाना चाहिए। इसके अतिरिक्त उनकी अन्य मानसिक शक्तियों को विकसित करना चाहिए।

③ - उनको ऐतिहासिक तथ्यों एवं कार्यों की आलोचना करने के लिए प्रोत्साहित किया जाय।

④ - इस स्तर पर छात्रों को अतीत के प्रकाश में अधिक से अधिक वर्तमान को समझने के योग्य बनाना। इसके अतिरिक्त उन्हें भविष्य के विषय में भी सोचने के लिए प्रोत्साहित किया जाये।

⑤ - छात्रों में समय-ज्ञान को विकसित करने के लिये अमूर्त साधनों का भी उपयोग किया जाना चाहिए।

⑥ - छात्रों में सत्य, देश-प्रेम तथा विश्व-बन्धुत्व की भावना को विकसित किया जाय।

⑦ - मानचित्र पर घटनाओं सम्बन्धी स्थलों तथा राज्य-सीमा का ज्ञान कराकर भौगोलिक स्थिति से परिचित करना। इसके लिए इतिहास शिक्षक को इतिहास का भूगोल के साथ सम्बन्ध स्थापित करके शिक्षण प्रदान करना चाहिए।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

③ माध्यमिक (हायर सेकेण्डरी) स्तर पर उद्देश्य

इस स्तर पर इतिहास-शिक्षण को निम्नलिखित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए छात्रों को तत्पर बनाना चाहिए :-

(1) - इस स्तर पर छात्रों में इतिहास के लिए वास्तविक रुचि को दृढ़ बनाना।

(2) - छात्रों का मानसिक प्रशिक्षण प्रदान करना, अर्थात् उनकी मानसिक शक्तियों को एक मुख्य प्रकार से प्रशिक्षित करना, जिससे उनकी तर्क एवं निर्णय-शक्तियों का पर्याप्त विकास हो सके जिससे वे प्रत्येक तथ्य को तर्क तथा प्रमाणों के आधार पर ही स्वीकार करना सीख जायें।

(3) - राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृतियों का ज्ञान प्रदान करना जिससे वे अपने देश की विश्व-संस्कृति के लिए प्रदान की गई देनों को समझ सकें।

(4) - अतीत के आधार पर वर्तमान को समझने की क्षमता उत्पन्न करना तथा उसके भविष्य के आकलन के लिए सामर्थ्य उत्पन्न करना।

(5) - विकास के सिद्धान्त से अवगत कराना।

(6) - समय-ज्ञान के विकास को दृढ़ बनाना।

(7) - छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना।

(8) - राष्ट्र की सामाजिक, राजनैतिक, तथा धार्मिक समस्याओं से अवगत करवाकर उनका स्वयं समस्या हल करने के योग्य बनाना।

(9) - मानव समस्त सभ्यता के विकास की विशेषताओं से अवगत कराना।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया